



Mr.khelarilal



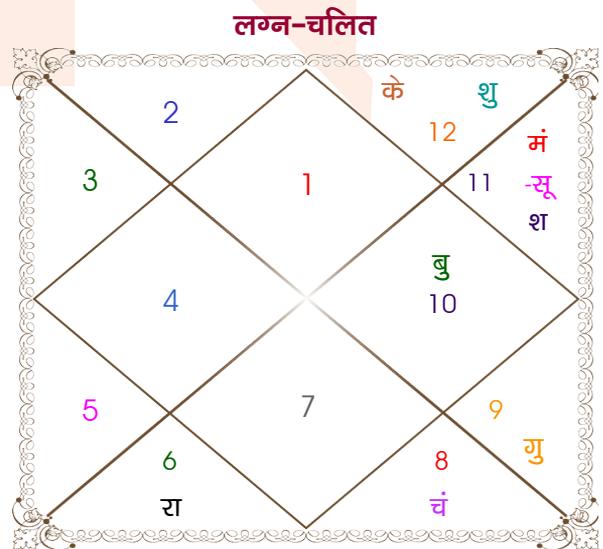
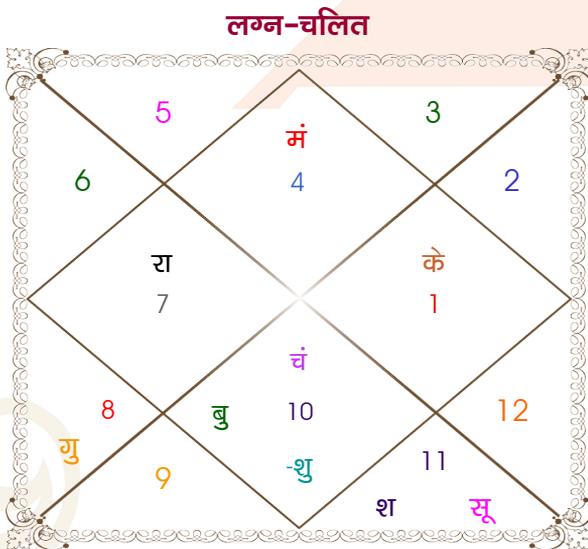
Ms.yamani

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121347702

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
27/02/1995 :	जन्म तिथि	: 14/02/1996
सोमवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 15:58:00 :	जन्म समय	: 10:58:00 घंटे
घटी 24:12:29 :	जन्म समय(घटी)	: 11:14:32 घटी
India :	देश	: India
Motihari :	स्थान	: Motihari
26:40:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:40:00 उत्तर
84:55:00 पूर्व :	रेखांश	: 84:55:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:09:40 :	स्थानिक संस्कार	: 00:09:40 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:17:00 :	सूर्योदय	: 06:28:11
17:49:41 :	सूर्यास्त	: 17:41:13
23:47:34 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:18

विंशोत्तरी चन्द्र 3वर्ष 6मा 29दि गुरु 27/09/2023 27/09/2039	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 5वर्ष 11मा 20दि शुक्र 04/02/2009 04/02/2029	
गुरु	15/11/2025	17:38:50	मक	बुध	05:12:02	शुक्र	05/06/2012
शनि	28/05/2028	19:55:59	वृश्चि	गुरु	15:05:52	सूर्य	05/06/2013
बुध	03/09/2030	02:07:21	मक	शुक्र	12:14:22	चन्द्र	04/02/2015
केतु	10/08/2031	20:24:19	कुंभ	शनि	29:44:08	मंगल	05/04/2016
शुक्र	10/04/2034	13:37:33	तुला व	राहु व	कन्या 24:52:35	राहु	06/04/2019
सूर्य	27/01/2035	13:37:33	मेष व	केतु व	मीन 24:52:35	गुरु	05/12/2021
चन्द्र	28/05/2036	04:55:13	मक	हर्ष	मक 08:06:18	शनि	04/02/2025
मंगल	04/05/2037	00:49:29	मक	नेप	मक 02:30:44	बुध	06/12/2027
राहु	27/09/2039	06:48:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि 09:11:08	केतु	04/02/2029



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

Mr.khelarilal का वर्ग मार्जार है तथा Ms.yamani का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.khelarilal और Ms.yamani का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.khelarilal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमे: वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.khelarilal कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.yamani मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.yamani कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.khelarilal तथा Ms.yamani में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

